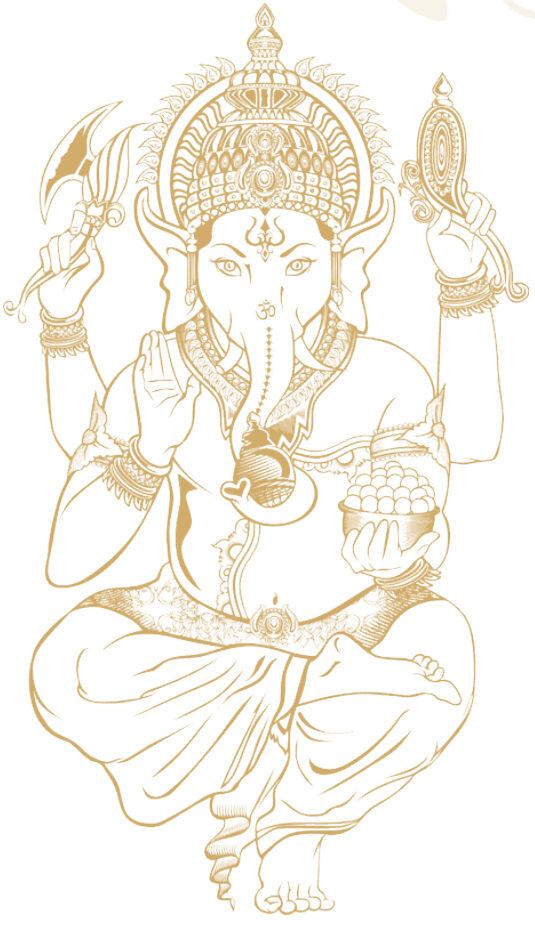

Bhavishya pandey

12 Jan 2021

02:52 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121903202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/01/2021**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:52:00 घंटे**
इष्ट	49:01:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:30:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:56 घंटे
साम्पातिक काल	09:57:17 घंटे
सूर्योदय	07:15:31 घंटे
सूर्यास्त	17:43:00 घंटे
दिनमान	10:27:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:44:00 धनु
लग्न के अंश	27:17:40 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	27:17:40	306:55:00	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	27:44:00	01:01:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	10:31:13	14:12:13	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	08:10:20	00:28:39	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध			मक	11:23:22	01:37:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
गुरु			मक	11:09:21	00:14:03	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शुक्र			धनु	09:54:40	01:15:13	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि		अ	मक	08:44:28	00:07:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		वृष	25:34:34	00:01:38	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	25:34:34	00:01:38	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	12:34:40	00:00:08	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	24:33:30	00:01:26	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:24:04	00:02:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			सिंह	02:57:39	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:47

लग्न-चलित

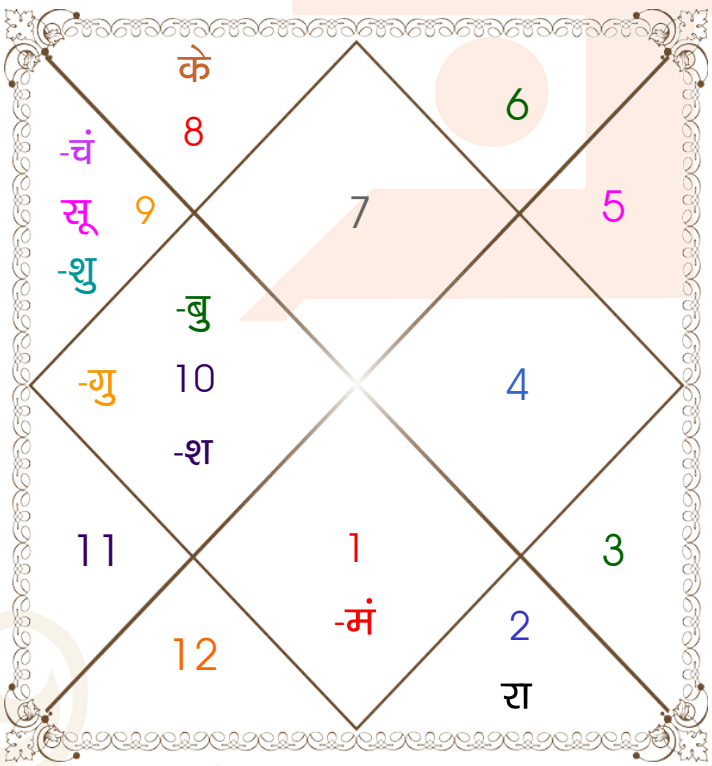

चन्द्र कुंडली

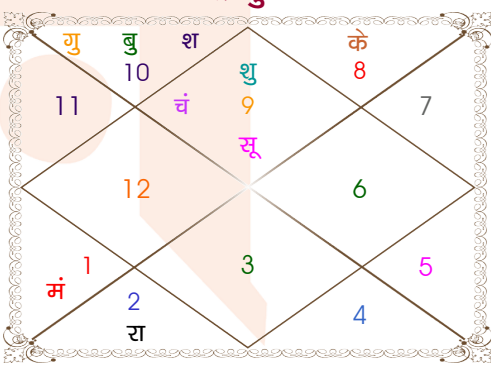

नवमांश कुंडली

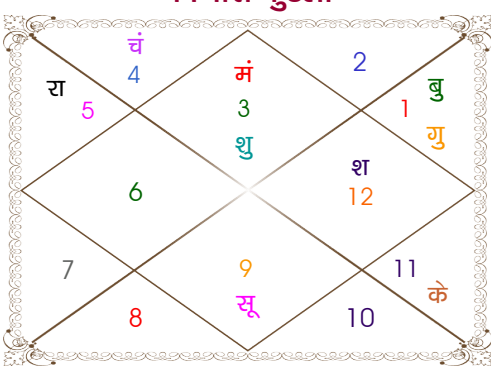

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/01/2021		05/07/2022		05/07/2042		05/07/2048		05/07/2058	
05/07/2022		05/07/2042		05/07/2048		05/07/2058		05/07/2065	
	00/00/0000	शुक्र	04/11/2025	सूर्य	23/10/2042	चंद्र	05/05/2049	मंगल	01/12/2058
	00/00/0000	सूर्य	04/11/2026	चंद्र	23/04/2043	मंगल	04/12/2049	राहु	20/12/2059
	00/00/0000	चंद्र	05/07/2028	मंगल	29/08/2043	राहु	05/06/2051	गुरु	25/11/2060
	00/00/0000	मंगल	04/09/2029	राहु	23/07/2044	गुरु	04/10/2052	शनि	03/01/2062
	00/00/0000	राहु	03/09/2032	गुरु	11/05/2045	शनि	05/05/2054	बुध	01/01/2063
	00/00/0000	गुरु	05/05/2035	शनि	23/04/2046	बुध	05/10/2055	केतु	30/05/2063
	12/01/2021	शनि	05/07/2038	बुध	27/02/2047	केतु	05/05/2056	शुक्र	29/07/2064
शनि	08/07/2021	बुध	05/05/2041	केतु	05/07/2047	शुक्र	03/01/2058	सूर्य	04/12/2064
बुध	05/07/2022	केतु	05/07/2042	शुक्र	05/07/2048	सूर्य	05/07/2058	चंद्र	05/07/2065

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/07/2065		05/07/2083		05/07/2099		06/07/2118		06/07/2135	
05/07/2083		05/07/2099		06/07/2118		06/07/2135		00/00/0000	
राहु	17/03/2068	गुरु	22/08/2085	शनि	09/07/2102	बुध	02/12/2120	केतु	02/12/2135
गुरु	11/08/2070	शनि	05/03/2088	बुध	18/03/2105	केतु	29/11/2121	शुक्र	01/02/2137
शनि	17/06/2073	बुध	11/06/2090	केतु	27/04/2106	शुक्र	29/09/2124	सूर्य	08/06/2137
बुध	04/01/2076	केतु	18/05/2091	शुक्र	27/06/2109	सूर्य	05/08/2125	चंद्र	07/01/2138
केतु	21/01/2077	शुक्र	16/01/2094	सूर्य	09/06/2110	चंद्र	05/01/2127	मंगल	06/06/2138
शुक्र	22/01/2080	सूर्य	04/11/2094	चंद्र	08/01/2112	मंगल	02/01/2128	राहु	24/06/2139
सूर्य	16/12/2080	चंद्र	05/03/2096	मंगल	16/02/2113	राहु	21/07/2130	गुरु	30/05/2140
चंद्र	17/06/2082	मंगल	09/02/2097	राहु	24/12/2115	गुरु	26/10/2132	शनि	13/01/2141
मंगल	05/07/2083	राहु	05/07/2099	गुरु	06/07/2118	शनि	06/07/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।